।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2082 फाल्गुन चतुर्दशी, 16-28 फरवरी 2026 (16-28 February 2026), • वर्ष 5 (Year-5), • अंक 20 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

शेख हसीना का भविष्य क्या होगा! तारिक रहमान भारत से करेंगे तकरार या अवामी लीग के लिए खोलेंगे द्वार?

नई दिल्ली : बांग्लादेश के हुए चुनाव को अवामी लीग ने 'दिखावा और मजाक' करार दिया है। शेख हसीना अब दिल्ली में निर्वासन झेल रही हैं। उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं दी गई थी। वहीं, तारिक रहमान और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी करीब 20 सालों के बाद सरकार बना रहे हैं। पहले शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं और तारिक रहमान लंदन से उन्हें देखते थे और अब इसका अल्टा हुआ है। लंदन की जगह नई दिल्ली ने ले ली है। बांग्लादेश के नेता लगातार शेख हसीना की प्रत्यर्पण की मांग करते रहे हैं, लेकिन उन्हें ढाका भेजा जाएगा, इसकी कोई संभावना नहीं है। मीडिया को शेख हसीना के करीबी सर्किल से पता चला है कि 'बड़े नेताओं में भविष्य को लेकर बेचैनी तो दिख रही है। उन्हें फिलहाल आगे का रास्ता नजर नहीं आ रहा है। उनके सामने बड़ा सवाल इस बात को लेकर भी है कि वो भारत में कब तक रहेंगे? शेख हसीना नई दिल्ली में सरकार के संरक्षण में हैं, लेकिन उनके आसपास के लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा है कि क्या करें। अवामी लीग के बड़े नेता, जो अगस्त 2024 के बाद से भागकर भारत आए थे, उनके बीच अपने भविष्य को लेकर बात होती रहती है, उनमें बेचैनी और निराशा साफ तौर पर दिख रही है।'

शेख हसीना नई दिल्ली में रहती हैं और कभी कभार बयान जारी करती हैं। इसके अलावा कभी कभी उन्हें दिल्ली के लोधी गार्डन में टहलते देखा गया है। उन्होंने पिछले महीने एक भाषण में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के खिलाफ अपने लोगों को आवाज उठाने को कहा था, जिसने ढाका को परेशान कर दिया था। ढाका में सरकार चलाने वाले शेख हसीना को लेकर चैन से क्यों नहीं रह पाते, इस चुनाव में उसका जवाब मिल गया है।

सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग होने का मतलब है कि तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के अलावा उसमें जमात-ए-इस्लामी, छात्रों की पार्टी एनसीपी, जातीय पार्टी भी शामिल है। मतलब बीएनपी को 25-30 प्रतिशत वोट ही मिले हैं और उसी वोट में वो सरकार बना रही है। यह कम वोटिंग प्रतिशत नई सरकार के लिए एक चेतावनी है कि हसीना का 'वोट बैंक' खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। यह अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की एक उम्मीद जगाता है। अब आधे से भी कम आबादी ने वोट डाला है तो आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल उठेंगे। शेख हसीना को इस चुनाव से ये पता चल गया होगा कि हिंसक प्रदर्शन के बाद भी जो नई सरकार है, उसे देश में सिर्फ 35-30 प्रतिशत लोगों का समर्थन है। इसे शेख हसीना आगे जाकर नैतिक जीत की तरह पेश कर सकती हैं कि 'देश में उनकी पार्टी को फिर से वैधता मिलना जरूरी है।' जैसा जनवरी में उन्होंने कहा था कि 'इस देश के दुश्मन की विदेशियों की कठपुतली सरकार को किसी भी कीमत पर उखाड़ फेंकने के लिए, बांग्लादेश के बहादुर बेटे-बेटियों को शहीदों के खून से लिखे संविधान की रक्षा करनी होगी और उसे फिर से बनाना होगा, अपनी आजादी वापस लेनी होगी, अपनी संप्रभुता की रक्षा करनी होगी और अपने लोकतंत्र को फिर से जिंदा करना होगा।

शेख हसीना को ढाका स्थित ट्रिब्यूनल कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। ये कुछ ऐसा ही है जैसे तारिक रहमान को लंदन में रहने के दौरान उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी। तारिक रहमान 17 सालों के बाद देश लौटे हैं और अब उनकी सरकार, शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर सकती है। अगर तारिक रहमान, प्रत्यर्पण की मांग पर अड़े रहे, तो भारत से संबंध खराब ही होते रहेंगे। नवभारत टाइम्स से बात करते हुए पिछले दिनों जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट एसडी मुनि ने कहा था कि 'भारत किसी भी हाल में शेख हसीना को बांग्लादेश को नहीं सौंपेगा और सौंपना भी नहीं चाहिए। लेकिन बांग्लादेशी अधिकारियों ने बार बार भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि के तहत शेख हसीना की वापसी की आधिकारिक मांग की है। इसके अलावा, बीएनपी नेताओं ने भी बार-बार दिल्ली से उन्हें सौंपने की मांग की है। बीएनपी के सीनियर नेताओं ने इस मामले को कानूनी जिम्मेदारी और संप्रभुता का मुद्दा बताया है, और कहा है कि दोनों देशों के रिश्तों को 'शेख हसीना से आगे' ले जाने की जरूरत है। ऐसे में तारिक रहमान को तय करना है कि शेख हसीना को लेकर उन्हें भारत से लड़ते रहना है या समझौते का रास्ता बनाते हुए संबंधों को सामान्य करना है!

कृषि ও সংশ্লিষ্ট কাজের উপর সম্পূর্ণভাবে জীবিকা নির্ভর
ভূমিহীন ক্ষেতমজুরদের জন্য রাজ্য সরকারের একটি নতুন পদক্ষেপ

মাননীয়া মুখ্যমন্ত্রী
মমতা বন্দ্যোপাধ্যায়ের
ঐকান্তিক উদ্যোগে

সকল ক্ষেতমজুরদের জন্য
মোট ৪,০০০ টাকার
বার্ষিক আর্থিক অনুদান প্রকল্প

• যে-সকল ক্ষেতমজুরের নিজস্ব কৃষিজমি নেই বা যাঁরা ভাগচাষি হিসাবে নথিভুক্ত নন, তাঁরা "কৃষকবন্ধু (নতুন)" প্রকল্পের সুবিধা পান না। এই সকল ক্ষেতমজুর প্রকল্পের আওতায় আসবেন।

• দুই কিস্তিতে ২,০০০ টাকা করে মোট ৪,০০০ টাকা সহায়তা প্রদান করা হবে প্রতিবছর খরিফ ও রবি মরশুমের প্রারম্ভে।

আগামী ১৫ ফেব্রুয়ারি থেকে ২৬ ফেব্রুয়ারি পর্যন্ত বিধানসভাভিত্তিক ক্যাম্পের দ্বারা পূরণ করা দরখাস্ত গ্রহণ করা হবে।

বিশদে জানতে নিকটবর্তী ব্লক কৃষি আধিকারিকের অফিসে যোগাযোগ করতে পারেন।

Memo No. 141(9) Local Advt./DICO/HWH Date- 13/02/2026

কৃষকের সাথে কৃষকের পাশে

কৃষি বিভাগ, পশ্চিমবঙ্গ সরকার

মাননীয়া মুখ্যমন্ত্রী

মমতা বন্দ্যোপাধ্যায়ের ঐকান্তিক উদ্যোগে

স্বনির্ভর বাংলা

গড়ার লক্ষ্যে মা-মাটি-মানুষের সরকারের ঐতিহাসিক ঘোষণা

বাংলার যুব-সাথী, ক্ষেতমজুর ও অন্যান্য কৃষকদের সহায়তা এবং লক্ষীর ভাণ্ডার প্রকল্পে নতুন রেজিস্ট্রেশন

রেজিস্ট্রেশন পর্ব: ১৫ থেকে ২৬ ফেব্রুয়ারি, ২০২৬

সময়: সকাল ১০টা থেকে বিকেল ৫টা
(সরকারি ছুটির দিন ব্যতীত)

সকল মহিলা উপভোক্তার জন্য লক্ষ্মীর ভাণ্ডারে ৫০০ টাকা বৃদ্ধি করা হয়েছে

- লক্ষীর ভাণ্ডার প্রকল্পের অধীনে মাসিক আর্থিক সহায়তা বৃদ্ধি করে সাধারণ শ্রেণির মহিলাদের জন্য ১,০০০ টাকা থেকে **১,৫০০ টাকা** এবং তপশিলি জাতি/তপশিলি জনজাতি-ভুক্ত মহিলাদের জন্য ১,২০০ টাকা থেকে **১,৭০০ টাকা** করা হয়েছে।
- আবেদনের ভিত্তিতে আরও **২০.৬২ লক্ষ** মা-বোন এই প্রকল্পের অন্তর্ভুক্ত হয়েছেন। এখন রাজ্যের প্রায় **২.৪২ কোটি** মা-বোনেরা এই প্রকল্পের আওতাধীন।
- আগামী **১৫-২৬ ফেব্রুয়ারি,** ২০২৬ পর্যন্ত বিধানসভা ভিত্তিক ক্যাম্পের মাধ্যমে আবেদনপত্র বিলি করা হবে এবং পূরণ করা আবেদনপত্র জমা নেওয়া হবে।

সকল ক্ষেতমজুরের জন্য বার্ষিক ৪,০০০ টাকা সহায়তা

- যে সকল ক্ষেতমজুরের নিজস্ব কৃষিজমি নেই বা যাঁরা ভাগচাষি হিসাবে নথিভুক্ত নন, তাঁরা কৃষকবন্ধু (নতুন) প্রকল্পের সুবিধা পান না। সেই সকল ক্ষেতমজুর এই প্রকল্পের আওতায় আসবেন।
- দুই কিস্তিতে ২,০০০ টাকা করে মোট **৪,০০০ টাকা** সহায়তা প্রদান করা হবে প্রতি বছর খরিফ ও রবি মরশুমের প্রারম্ভে।
- আগামী **১৫-২৬ ফেব্রুয়ারি,** ২০২৬ পর্যন্ত বিধানসভা ভিত্তিক ক্যাম্পের মাধ্যমে আবেদনপত্র বিলি করা হবে এবং পূরণ করা আবেদনপত্র জমা নেওয়া হবে।

বাংলার যুব-সাথী প্রকল্পে মাসিক ১,৫০০ টাকা আর্থিক সহায়তা

- রাজ্যের মাধ্যমিক বা সমতুল্য পরীক্ষায় পাশ করা যে-সকল যুবক-যুবতী এখনও চাকরি পাননি এবং স্কলারশিপ ব্যতীত কোনও সামাজিক নিরাপত্তামূলক প্রকল্পের অন্তর্ভুক্ত নন, ২১ থেকে ৪০ বছর বয়স পর্যন্ত সেই সকল যুবক-যুবতীকে প্রতি মাসে **১,৫০০ টাকা** করে আর্থিক সাহায্য প্রদান করা হবে, সর্বোচ্চ ৫ বছর পর্যন্ত।
- এই সাহায্য আগামী **১ এপ্রিল, ২০২৬** থেকে সরাসরি ব্যাঙ্ক অ্যাকাউন্টে পৌঁছে যাবে।
- নমুনা আবেদনপত্র ক্যাম্প ও দপ্তরের ওয়েবসাইট- **www.wbsportsandyouth.gov.in** থেকে ডাউনলোড করা যাবে।

কৃষকদের সেচের জল ব্যবহারের জন্য নির্ধারিত জলকর সম্পূর্ণরূপে মকুব

- পূর্বে বিভিন্ন প্রকার চাষের জন্য জলকর বাবদ কৃষকদের থেকে ১৭ টাকা প্রতি একর ইঞ্চি হারে সংগ্রহ করা হত, এখন সেটা আর লাগবে না।
- এই উদ্যোগের ফলে **৯,৯৬৫টি** ক্ষুদ্র সেচ প্রকল্পের অধীনে আনুমানিক **৩.০৬ লক্ষ** হেক্টর কৃষি জমিতে চাষাবাদকারী প্রায় **১০.৬৬ লক্ষ** কৃষক উপকৃত হবেন।
- ক্যাম্প, জলসম্পদ অনুসন্ধান ও উন্নয়ন দপ্তরের ওয়েবসাইট থেকে এই সংক্রান্ত প্রচারপত্র ডাউনলোড করা যাবে। বিশদে জানতে সংশ্লিষ্ট ক্যাম্পে ও ব্লক উন্নয়ন আধিকারিক মহাশয়ের অফিসে যোগাযোগ করার জন্য অনুরোধ করা হচ্ছে।

Memo No. 147(12) Local Advt./DICO/HWH Date- 14/02/2026

ক্যাম্পে আসার সময় অনুগ্রহ করে আধার কার্ড, জাতিগত শংসাপত্র, ব্যাঙ্কের পাসবইয়ের প্রথম পাতা ও মাধ্যমিক বা সমতুল্য পরীক্ষার অ্যাডমিট কার্ডের জেরক্স এবং ২ কপি পাসপোর্ট সাইজ ছবি সঙ্গে আনবেন।

হেল্পলাইন নম্বর
18003450117 (টোল ফ্রি) এবং 033-22140152

আপনার নিকটবর্তী ক্যাম্প খুঁজে পেতে https://apas.wb.gov.in -এ গিয়ে FIND YOUR CAMP অপশনে ক্লিক করুন।

পশ্চিমবঙ্গ সরকার কর্তৃক জনস্বার্থে প্রচারিত

प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी हावड़ा सदर सांगठनिक जिला द्वारा हावड़ा मैदान में बंगाल वासियों के सामने मनुफेस्टो सुझाव बॉक्स के भव्य उद्घाटन में उपस्थित रहे, भाजपा उपाध्यक्ष माननीय श्री संजय सिंह, हावड़ा सदर सांगठनिक जिला के माननीय अध्यक्ष श्री गौरांग भट्टाचार्य, जिला, मंडल नेतृत्व भाजपा युवा मोर्चा महिला मोर्चा कार्यकर्ता।

बागडोगरा एयरपोर्ट पर करोड़ों के हीरों की बड़ी खेप जब्त, नेपाल-दिल्ली तस्करी रैकेट का भंडाफोड़

कोलकाता : नेपाल से दिल्ली ले जाए जा रहे 4 करोड़ के हीरे जब्त, बागडोगरा एयरपोर्ट पर डीआरआई ने तस्कर को दबोचा। डीआरआई ने तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बागडोगरा हवाई अड्डे पर एक अंतरराष्ट्रीय हीरा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दीपक कुमार महासुखलाल मेहता उर्फ दीपक कुमार मेहता के रूप में हुई है। उसके पास से भारी मात्रा में हीरे बरामद किए गए हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये आंकी गई है। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने तस्करी के लिए एक लंबा और जटिल रास्ता चुना था। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से कुल 808.33 कैरेट (लगभग 161.66 ग्राम) वजन के हीरे बरामद हुए।

रेल मंत्री ने आसनसोल-बोकारो एम.ई.एम.यू. जीवनरेखा को दिखाई हरी झंडी

कोलकाता (संजय कुमार सिंह) : पूर्वी भारत के औद्योगिक परिदृश्य में आज एक ऐतिहासिक बदलाव दर्ज हुआ, जब बहुप्रतीक्षित आसनसोल-बोकारो स्टील सिटी एम.ई.एम.यू. सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया गया। डिजिटल माध्यम और जनउत्साह से भरे इस समारोह में माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे।समर्पित एम.ई.एम.यू. सेवा की शुरुआत के साथ ही हजारों श्रमिकों, छात्रों और छोटे व्यापारियों की वर्षों पुरानी यात्रा कठिनाइयों का अंत हो गया है, जो अब तक महंगी बसों और विलंबित एक्सप्रेस ट्रेनों पर निर्भर थे। नई सेवा पश्चिम बर्द्धमान, पुरुलिया और बोकारो के बीच एक तेज, किफायती 'स्टील कॉरिडोर' तैयार करती है। इस सेवा के प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं :- कार्यबल को सशक्त बनाएगी : दोनों शहरों के सेल प्रतिष्ठानों के तकनीकी कर्मचारी और श्रमिक अब प्रतिदिन सीधे और विश्वसनीय रेल संपर्क से जुड़ेंगे, जिससे औद्योगिक समन्वय मजबूत होगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा: लंबी दूरी की ट्रेनों के विपरीत, एम.ई.एम.यू. छोटे मध्यवर्ती स्टेशनों पर भी ठहराव देती है, जिससे पुरुलिया और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को दोनों स्टील शहरों के बड़े बाजारों तक सस्ती पहुंच मिलेगी।

शिक्षा की नई राह : सैकड़ों छात्र अब राज्य सीमा पार स्थित कोचिंग सेंटरों और कॉलेजों तक प्रतिदिन आवागमन कर सकेंगे, जिससे हॉस्टल या किराए के महंगे खर्च से राहत मिलेगी।

किफायती यात्रा : कम लागत वाले मासिक सीजन टिकट से दैनिक मजदूरों के लिए लंबी दूरी की यात्रा आसान और सुलभ हो गई है।

यात्रा मानकों में बड़ा बदलाव : नई एम.ई.एम.यू. सेवा क्षेत्रीय परिवहन प्रणाली में व्यापक सुधार का प्रतीक है। पहले जहां यात्रियों को बस बदलने और ईंधन खर्च के कारण अधिक लागत उठानी पड़ती थी, वहीं अब सब्सिडी वाले मासिक टिकट यात्रा को बेहद किफायती बनाते हैं। विश्वसनीयता के मामले में भी यह सेवा सड़क जाम और मानसून के दौरान आने वाली बाधाओं से मुक्त होकर हर मौसम में तेज और समयबद्ध रेल संपर्क सुनिश्चित करती है। साथ ही, जहां पहले एक्सप्रेस ट्रेनें छोटे गांवों को नजरअंदाज करती थीं, अब यह सेवा स्थानीय स्टेशनों पर ठहराव देकर ग्रामीण पुरुलिया को बेहतर और सुरक्षित संपर्क प्रदान करती है।

स्थानीय जीवन पर सकारात्मक प्रभाव : इस सेवा से छोटे मध्यवर्ती स्टेशनों पर आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि की संभावना है, क्योंकि नियमित यात्रियों की संख्या बढ़ने से नए व्यवसाय और सेवाएं विकसित होंगी। मानसून के दौरान भी ट्रेन की विश्वसनीयता क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सड़क अवरोधों से प्रभावित होने से बचाएगी और लोगों को सुरक्षित, सुगम तथा नियमित यात्रा सुविधा प्रदान करेगी।

बकरी चोरी हत्या के मामले में चूँचूड़ा अदालत ने दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई

हुगली/चूँचूड़ा : बकरी चोरी को लेकर हुए विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या के मामले में चूँचूड़ा अदालत ने दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई है। यह घटना चूँचूड़ा थाना अंतर्गत नंदी मैदान इलाके की है। जानकारी के अनुसार, बकरी चोरी कर दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने की बात सामने आने पर तपन मालिक ने इस चोरी की सूचना बकरी के मालिक को दे दी थी। इसी बात को लेकर अनूपम दास और अरुण पासवान ने तपन पर हमला कर दिया। 12 जुलाई 2021 को सड़क पर तपन के साथ मारपीट की गई। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर तपन को उनके चंगुल से छुड़ाकर घर भेज दिया। मृतक की मां रीता मालिक के अनुसार, उसी रात तपन अपनी

दादी के साथ घर पर मौजूद थे। देर रात आरोपी फिर से उनके घर पहुंचे और तपन को जबरन घर से उठा ले गए। पूरी रात तपन घर नहीं लौटा। अगले दिन, 13 जुलाई 2021 की सुबह नंदी मैदान इलाके से तपन का शव बरामद किया गया। इस घटना के बाद रीता मालिक ने 13 जुलाई 2021 को चूँचूड़ा थाने में पुचि दास, बिट्टू दास, अनूपम दास और अरुण दास कुल चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। चूँचूड़ा अदालत के सरकारी वकील शंकर गांगुली ने बताया कि जांच के बाद 8 अक्टूबर 2021 को जांच अधिकारी ने चार्जशीट दाखिल की। मामले में कुल 16 गवाहों में से 14 गवाहों ने अभियोजन के पक्ष में गवाही दी। चार आरोपियों में से दो के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण अदालत ने उन्हें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत पूछताछ से मुक्त करते हुए बरी कर दिया।

बाकी दो आरोपियों अनूपम दास और अरुण पासवान को दोषी ठहराते हुए मंगलवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रिट्टू सुर ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में आरोपियों को अतिरिक्त 6 महीने का सश्रम कारावास भुगतना होगा।

नई हाई स्पीड रेल कॉरिडोरों के त्वरित कार्यान्वयन की दिशा में रेलवे बोर्ड की महत्वपूर्ण पहल

कोलकाता : रेलवे बोर्ड ने देश में नई हाई स्पीड रेल परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बजट 2026 में घोषित सात नई हाई स्पीड रेल कॉरिडोरों को समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित करने के उद्देश्य से बोर्ड स्तर पर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसके पश्चात कई निर्णय लिए गए। सात प्रस्तावित हाई स्पीड रेल कॉरिडोरों में मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी तथा वाराणसी-सिलीगुड़ी शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन की जिम्मेदारी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को सौंपी गई है। रेलवे बोर्ड द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि पहले से तैयार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को वर्तमान लागत, परियोजना पूर्णता लागत आदि के अनुरूप संशोधित किया जाए, ताकि प्रोजेक्ट का सही आकलन किया जा सके। इसके अतिरिक्त, पूरे भारत में हाई स्पीड रेल के लिए एक समान तकनीकी और परिचालन मानक को औपचारिक रूप से अंतिम रूप देने का दायित्व भी NHSRCL को सौंपा गया है। अधिसूचना में प्रत्येक खण्ड परियोजना के लिए क्षेत्र में तैनात कोर टीम गठित करने, परियोजना-वार मुख्यालय निर्धारित करने, पूर्व-निर्माण गतिविधियों की सूची तैयार करने तथा अनुबंध दस्तावेजों की प्रक्रिया प्रारंभ करने पर भी बल दिया गया है। साथ ही, विभिन्न हाई स्पीड रेल परियोजनाओं के लिए पर्याप्त और प्रशिक्षित तकनीकी मानव संसाधन की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि नई परियोजनाओं की आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी कॉरिडोरों के लिए परियोजना-वार मानव संसाधन का आकलन किया जाए, जिसमें भारतीय रेल से आवश्यक कार्मिकों की आवश्यकता को भी सम्मिलित किया जाएगा।

मधुबनी में अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष महासम्मेलन का आयोजन किया जायेगा

मधुबनी (सोनी कुमारी झा) : मिथिलांचल की पावन धरती मधुबनी (बिहार) में 4-5 अप्रैल 2026 को एक भव्य अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष महासम्मेलन (ज्योतिष महाकुंभ) का आयोजन किया जा रहा है। यह ज्योतिष महासम्मेलन, या महाकुंभ, लगभग 24 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद फिर से मिथिलांचल की पावनभूमि में आयोजित हो रहा है, जिसमे देश सहित भर मिथिलांचल सहित लगभग 250 से ज्यादा ज्योतिष भाग लेंगे जिससे यह आयोजन अत्यंत विशेष और ऐतिहासिक बन जाता है। इतने लंबे समय के बाद इस स्तर का आयोजन होना मिथिला की प्राचीन ज्योतिषीय, धार्मिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपरा के पुनर्जागरण का प्रतीक है। इस अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष महासम्मेलन का आयोजन ज्योतिष विज्ञान अनुसंधान केंद्र, मधुबनी के तत्वावधान में किया जा रहा है। इसके मुख्य संयोजक डॉ. सुनील श्रीवास्तव हैं। आयोजन स्थल के रूप में मधुबनी नगर भवन का चयन किया गया है, जो शहर का एक प्रमुख, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक सभागार है।इस महासम्मेलन में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, विद्वान एवं विशेषज्ञ भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान हस्तरेखा विज्ञान, जन्मकुंडली, वास्तुशास्त्र, फेंगशुई, अरबी ज्योतिष सहित ज्योतिष की अनेक शाखाओं पर गहन विमर्श किया जाएगा। साथ ही ज्योतिष को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने पर विशेष बल दिया जाएगा।

इस आयोजन में जिन प्रमुख विद्वानों एवं विशिष्ट अतिथियों की सहभागिता रहेगी, उनमें शुभमश्री, डॉ. सुनील श्रीवास्तव, इंजीनियर मनोश कुमार झा, पंडित दिलीप अवस्थी, (राजस्थान), पंडित यश जोशी, (उज्जैन), पंडित औधेश पांडे, (अयोध्या), पंडित के. पी. शर्मा, (दिल्ली), महामंडलेश्वर महर्षि जय जहान्वी एवं तान्या श्री बनारस (बी.एच.यू.) सहित देश-विदेश के अनेक ख्यातिप्राप्त ज्योतिषाचार्य एवं विद्वान शामिल होंगे। इस महासम्मेलन का उद्देश्य केवल ज्योतिष का प्रचार-प्रसार करना नहीं है, बल्कि ज्योतिष को विज्ञान से जोड़ना, जनसामान्य की समस्याओं के समाधान हेतु मार्गदर्शन देना, समाज के समसामयिक, पारिवारिक एवं सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करना तथा शिक्षा के साथ संस्कारों के समावेश पर विशेष ध्यान देना भी है। बच्चों और युवाओं के नैतिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास को ध्यान में रखते हुए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

Name change

I, Khushbu Singh, D/o Sri Shaligram Kunwar, residing at 647, Haridas Banerjee Lane, Howrah-711103, declare that, in my Aadhaar Card No. 7457 7021 0154, my name has been recorded as Khushbu Kumari and in my all other educational documents, my name has been recorded as Khushbu Kumari Singh in place of my actual name Khushbu Singh. As per affidavit on dated 13.01.2026 before the Notary Public at Kolkata, Khushbu Singh, Khushbu Kumari and Khushbu Kumari Singh is the same and one identical person.

Name change

I, Smt. Archana Das, W/o Chandan Shaw, presently residing at West Santi Nagar Prantik Para, P.O.-Anandanagar, P.S.-Nischinda, Howrah- 711227, declare that, my social marriage was solemnized on 01.02.2001 with Chandan Shaw at Uttarpara, Makhla, P.O.- Bhadrakali Uttarpara & P.S.- Uttarpara, Dist.-Hooghly, Pin- 712258. After marriage during our wedlock, two children, one male child namely Suman Shaw, born on 16.04.2003 and another female child namely Sonia Shaw, born on 25.11.2004. I am searing this Affidavit vide no. B84 before the Notary Public at Howrah on 12.02.2026 with a view to declare the above facts as well as requesting the authority to treat this affidavit as my address proof declaration.

एसारियन ज्योतिष अनुसंधान परिषद का आठवां वार्षिक दीक्षांत समारोह संपन्न

पानीहाटी से शुभ घोष की रिपोर्ट : एसारियन ज्योतिष अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित एवं संचालित ज्योतिष पर आठवां वार्षिक दीक्षांत समारोह एवं कार्यशाला आयोजित किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पानीहाटी फेरी घाट से शुभारंभ कर गंगा नदी में जहाज पर बैठक का आयोजन किया गया। जहां ज्योतिष से जुड़ी हुई बातों पर चर्चा हुई लोग आपस में विचार साझा किये, एसारियन ज्योतिष अनुसंधान परिषद की अध्यक्ष- श्रीमती देवयानी राय, उपाध्यक्ष डॉ. श्री व्यासदेव शंकराचार्य, सह-उपाध्यक्ष- डॉ. श्री शंकर शास्त्री, डॉ. अभिजीत पालित, डॉ. शुभंकर आचार्य, कार्यकारी अध्यक्ष- डॉ. ज्योतिर्मय राय, सह-कार्यकारी अध्यक्ष- श्री मलय प्रमाणिक, डॉ. शशांक शेखर शास्त्री, डॉ. सरस्वती चटर्जी, महासचिव- श्रीमती ओलिविया दासगुप्ता, आयोजन सचिव- डॉ. सत्यजीत रे (आचार्य), डॉ. श्री सुधांशु चक्रवर्ती, श्री भास्कर मजूमदार, श्री वीरू भाई शास्त्री, सेक्रेटरी- श्रीलव घोष, असिस्टेंट सेक्रेटरी, आचार्य सुदेशना शास्त्री, आचार्य श्री सुव्रत शास्त्री, कैशियर- आचार्य श्री रूपा शास्त्री, एडवाइजर- डॉ. आचार्य श्री अरिंदम चटर्जी, श्री महादेव मजूमदार, श्री चिरंजीत राय, ऑडिटरी और सदस्यों में, श्री अमलेंदु साहा,श्रीमती गीताश्री दासगुप्ता, श्रीमती पंपा गायेन, पंकज अधिकारी, सोम्या देव, शोभन ठाकुर, विक्की साव, श्रीमती आरती प्रमाणिक, श्रीमती मुनमुन डे राय मौजूद थे।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मध्य हावड़ा स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर में तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ मंत्री अरूप द्वारा किया गया। इस दौरान उपस्थित थे संस्था के सभी सदस्यगण।

एचजी ने पश्चिम बंगाल दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। एचजी ने एसोसिएशन और खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में यह एसोसिएशन अपनी पहुंच को और बढ़ाएगा तथा और अधिक उपलब्धियां हासिल करने का लक्ष्य रखेगा।

एचजी, लेडी गवर्नर के साथ, कोलकाता के सीजीआरई मानिकताला में भारतीय तटरक्षक बल के 50वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

एन.एस. रोड से निकली बाबा की भव्य झांकी

हावड़ा : मध्य हावड़ा के नेताजी सुभाष रोड से हर वर्ष की भांति इस बार भी श्याम बाबा की निशान यात्रा भव्य झांकियों के साथ निकली। रविवार सुबह हाथों में रंग-बिरंगे ध्वज थामे 250 से अधिक श्याम भक्त नृत्य और गीत में सराबोर होकर श्याम मंदिर घुसुड़ी धाम यात्रा में सम्मिलित हुए। संस्था के सूत्रधार अनिल कुमार बांठिया और पायल बांठिया ने बताया कि संस्था द्वारा निकाली गई यह निशान यात्रा अपने 9वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा, 'निशान यात्रा से पूर्व शनिवार को भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें भजन गायकों ने अपनी प्रस्तुति दी।' इस अवसर पर वैभव बांठिया, विनय सिंघी, शुभोजीत, रितिका, प्रदीप, राकेश लुनिया, सिप अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, भोलू भाई, बंटी भाई, विजय गुप्ता, आनंद मास्टर, गौरव कोठारी, राजेश कोठारी, अशोक फूलफगर, लाहा बाबू, संतोष सिंह, प्रदीप गुप्ता, हीरो भाई, मिक्की अग्रवाल, विमल शमो, नंदन बनर्जी, मदन सहित सैकड़ों श्याम भक्तों ने अपनी सहभागिता से कार्यक्रम को सफल बनाया।

डोमजूर के विधायक कल्याण घोष संवाददाता सम्मेलन के दौरान शेवा श्रय कैंप चालू की जाने की जानकारी देते हुए। इस दौरान आस्थित थे हावड़ा जिला सदर तृणमूल युवा के अध्यक्ष कैलाश मिश्रा व डोमजूर विधानसभा के अध्यक्ष नुरज मोल्ला।

कपड़े की बिजनेस की आड़ में पंछी की पंख की अंतरराष्ट्रीय तस्करी

कोलकाता : ऐसा सनसनी खबर आ रहा है दक्षिण 24 परगना जिला की बरूईपुर से। बरूईपुर भारतीय डाक विभाग में मिनतुल्लाह नाम के एक सेक्स ने 41 पैकेट पर कपड़े को ट्रांसपोर्ट करने के लिए भारतीय डाक विभाग में आया था। लेकिन डाक विभाग की कमी को शक के कारण पैकेट खोलने की कोशिश की थी और पुलिस को खबर दी गई है तब वह व्यक्ति भाग रहा था। तभी सारे कर्मियों ने उनको पकड़ लिया और पुलिस को खबर दी गई है बरू ईपुर पुलिस आकर पैकेट खुला तो आंखें फटी की फटी रह गए। कपड़े के अंदर हर पैकेट पर राम चिरेया के पंख भरा पड़ा हुआ है इतना सारा राम चिरेया के पंख कहां से आया इसको जांच में पुलिस को खबर मिली है ।के यह व्यक्ति बिहार से इतना सारा पंख ले आया था और कपड़े की बिजनेस की आड़ में इन राम चिरेया की पंख को बेचने की कोशिश कर रहे थे। अवैध राम चिरेया के पंख को लेकर अंतरराष्ट्रीय तस्करी का मामला सामने आते ही पुलिस ने तुरंत मिनतुल्लाह को गिरफ्तार किया।

501 लड्डू गोपाल के साथ हावड़ा में ब्रिज जैसी फूलों की होली का आयोजन

हावड़ा : हावड़ा के चिंतामणि मैदान में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मोहल्ला समिति युवक वृन्द द्वारा 'फूलों की होली लड्डू गोपाल के संग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजकों द्वारा 501 लड्डू गोपाल जी के संग ब्रज के जैसी फूलों की होली का भव्य आयोजन किया। श्री श्याम बाबा का दरबार सजा और छप्पन भोग बाबा को लगाए गए। वही कलाकारों ने अपनी मधुर स्वर से भजन को अमृत वर्षा कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुहल्ले वासियों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनील सिंघी, किशन अग्रवाल, गोविंद चोखानी, जुगल मूँधड़ा एवं समिति के सभी सदस्यगण एवम मोहल्ले वासियों का विशेष योगदान रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मौजूद रहे श्रीमती स्तोत्री साहा (जज, हावड़ा सिविल कोर्ट) एवं कई वरिष्ठ समाज सेवी एवं उद्योगपति जैसे नन्द किशोर लखोटिया,अनिल लाखोटिया, अशोक अग्रवाल, अनिल भाटिया, सज्जन खेतावत, मुन्ना चौधरी, शैलेश राय एवं अन्य अतिथि मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी **'बात हिन्दुस्तान की'** (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिबपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**वैद्यनाथ झा,** फोन- 9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Baidyanath Jha** Mo. 9798848926, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)